सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय				
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र		कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष	वर्ष: **2021**	सत्र: **2021-22**
विषय: संस्कृत				
1	पाठ्यक्रम का कोड	**A1-SANS1T**		
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	**वेद और व्याकरण** (प्रश्न पत्र **1**)		
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स		
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय **.......** अध्ययन कक्षा/**12**वीं/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा में किया हो। ...... इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है:- सभी के लिए उपलब्ध **(Open For all)**		
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) **(CLO)**	1. विश्व की धरोहर के रूप में घोषित ऋग्वेद सहित संपूर्ण वैदिक साहित्य की ज्ञान महिमा से छात्र लाभान्वित होंगे। 2. व्याकरण के माध्यम से संस्कृत भाषा साहित्य की संरचना की समझ में सहायक। 3. छात्र में संस्कृत लेखन और अनुवाद की कला का विकास होगा। 4. छात्र के धार्मिक और आध्यात्मिक व मनोवैज्ञानिक विकास में सहयोगी सिद्ध होगा। 5. प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलेगी। 6. प्राचीन देवताओं और यज्ञ विधाओं से छात्र सुपरिचित हो सकेगा। 7. पृथिवी की महिमा से अवगत होकर छात्र में पृथ्वी माता के प्रति समर्पण की भावना विकसित होगी। 8. वाक्य निर्माण व प्रयोग का ज्ञान। 9. संस्कृत भाषा में अनुवाद कला एवं सम्भाषण कौशल का विकास होगा।		
6	क्रेडिट मान	**06**		
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33	

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:- 03

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	i. **संस्कृत भाषा का परिचय** : संस्कृत भाषा का स्वरूप एवं महत्त्व, वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत का परिचय एवं विशिष्टताएं। ii. **वेद :** स्वरूप, लक्षण,भेद, अपौरूषेयता, रचनाकाल। iii. **वैदिक साहित्य** : संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदाङ्गों का सामान्य परिचय। iv. **प्रसिद्ध वेद भाष्यकारों का परिचय** : सायण, महीधर, उव्वट, दयानंद सरस्वती।	**15**

II	**वैदिक सूक्त :** व्याख्या, समीक्षा एवं व्याकरणिक टिप्पणियां। i. ऋग्वेद- अग्निसूक्त 1.1 । ii. यजुर्वेद- शिवसंकल्प सूक्त XXXIV । iii. अथर्ववेद- पृथिवी सूक्त - काण्ड -12, सूक्त -1 (1-5 मंत्र) ।	**15**
III	**शब्दरूप, धातुरूप एवं लकार -** i. शब्दरूप - राम, कवि, भानु, पितृ, लता, नदी, वधू, मातृ, फल, वारि, आत्मन्, वाक्, सर्व, तत्, यत्, इदम्, अस्मत् तथा युष्मत्। ii. धातुरूप - पठ्, भू, कृ, अस्, रूध्, क्री, चुर् तथा सेव् । iii. लकार परिचय - (केवल पांच लकार) लट्, लोट्, विधिलिङ्., लङ्. एवं लृट् ।	**15**
IV	**लघुसिद्धान्तकौमुदी** (संज्ञा, सन्धि एवं विभक्ति प्रकरण) सूत्रों की व्याख्या एवं प्रयोग	**15**
V	**(अ) संस्कृत सम्भाषण एवं अनुवाद कौशल** i. **संस्कृत सम्भाषणः** आत्मपरिचय, विभक्ति प्रयोग, सर्वनाम शब्दों का प्रयोग (तत्, एतत्, किम् यत्- तीनों लिङ्.गो एवं तीनों वचनों में) । **अव्यय प्रयोग** (अत्र, यत्र-तत्र, कुत्र, सर्वत्र, अन्यत्र, एकत्र, आम्, न, अद्य, श्वः, ह्यः परश्वः परह्यः, इदानीम्, पुरतः पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, उपरि, अधः, सम्यक्, अपि च, अतः, एवम्, इति, यदि-तर्हि, यथा-तथा, यदा-तदा, कदा, कति,. किम्, कुतः, कथम्, किमर्थम्, खलु। ii. **कृदन्त प्रत्यय**- क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवतु- प्रत्ययों का प्रयोग iii. **सङ्.ख्या**- एकतः शतं यावत्। **(ब) अनुवाद कौशल** संस्कृत सम्भाषण एवं अनुवाद पर आधारित परियोजना कार्य/मौखिकी परीक्षा के आधार पर मूल्याङ्कन।	**30**

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग : वेद, संज्ञा, सन्धि, कारक, अनुवाद, अव्यय, सम्भाषण।

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

पाठ्य पुस्तक- **त्रयी**- म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

1 झा, तारिणीश- "ऋक्सूक्त संग्रह", प्रकाशन केन्द्र, रेलवे क्रासिंग, सीतापुर रोड, लखनऊ, 126007

2 मिश्र, डा. यदुनंदन- "वेद संचयनम्",चौखंभा विद्याभवन वाराणसी 1990

3 शास्त्री, चारूदेव- "वाग्व्यवहारादर्श", मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी, 1970

4 आचार्य, डा. रामकृष्ण- "ऋक् सूक्त समुच्चय", विनोद पुस्तक मंदिर आगरा, 1983

5 कुशवाहा, महेश सिंह- "लघु सिद्धान्त कौमुदी", चौखंभा, सुरभारती वाराणसी, 1995

6 चैधरी, रामविलास- "लघु सिद्धान्त कौमुदी", मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी, 2013

7 द्विवेदी, आचार्य कपिलदेव- "प्रौढ़ रचनानुवाद कौमुदी", वि.वि.प्रकाशन वाराणसी, 2004

8 त्रिपाठी, ब्रह्मानन्द- "अनुवाद चंद्रिका", वि.वि.प्रकाशन वाराणसी, 2001

9 गोविन्दाचार्य- "लघु सिद्धान्त कौमुदी", चौखंभा, सुरभारती वाराणसी

(Prof. K. B. Pande)

10 शास्त्री, डा. हरिदत्त- "ऋक्मूक्त संग्रह", साहित्य भंण्डार, मेरठ, 1980

11 उपाध्याय, आचार्य बलदेव- "वैदिक साहित्य का इतिहास", शारदा संस्थानम्, दुर्गा कुंज, वाराणसी

12 त्रिपाठी, ब्रह्मानन्द- "रूप चंद्रिका", विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 2013

13 द्विवेदी, आचार्य कपिलदेव- "संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास", रामनारायण लाल विजय कुमार, 2 कटरा रोड़ इलाहाबाद, 2013

14 "भाषा प्रवेशः", प्रथम एवं द्वितीय भाग, प्रकाशन- संस्कृत भारती, नई दिल्ली।

15 "विभक्तिवल्लरी", प्रकाशन- संस्कृत भारती, नई दिल्ली।

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक- ई-सोर्सेस, ईपीजी पाठशाला संस्कृत, ई-पुस्तकालय संस्कृत, विकीपीडिया, ज्ञानगंगा, केन्द्रीय भारतीय **भाषा संस्थान मैसूर,** swayam.gov.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रमः- शास्त्री

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत केन्द्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरूपति, IGNOU BAG (Sanskrit) Study Material, B.A. Sanskrit Kota Vishwavidyalaya, Kota

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां: लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

आंतरिक मूल्यांकन: **सतत व्यापक मूल्यांकन** (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 **कुल अंक :25**
आकलन : **विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** समय- 02.00 घंटे	**अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)** **अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)** **अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)**	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 **कुल अंक 75**

कोई टिप्पणी/सुझाव:

21.9.2021
(Prof. K.B. Panda)

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष	वर्ष: **2021**	सत्र: **2021-22**
विषय: संस्कृत			

1	पाठ्यक्रम का कोड	**A1-SANS2T**
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	**आर्ष काव्य एवं लौकिक काव्य** (प्रश्न पत्र **2)**
3	पाठ्यक्रम का प्रकार **:**(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय **.......** अध्ययन कक्षा/**12**वीं/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा में किया हो । ...... इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है:- सभी के लिए उपलब्ध **(Open For all)**
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (**CLO**)	1. नैतिक मूल्यों के विकास में सहायक । 2. रामायण की सार्वकालिक व सार्वजनिक उपादेयता के साथ राष्ट्र निर्माण में सहायक । 3. भारतीय संस्कृति के अवबोध एवं महापुरूषों के आदर्श से छात्रों को परिचित कराना। 4. प्राचीन सामाजिक संरचना एवं उत्कृष्ट समाज का ज्ञान । 5. रंग मंचीय कौशल के विकास व लेखन की कला की दृष्टि से उपादेय । 6. छात्र में कथा लेखन की शैली का विकास। 7. उपदेशात्मक काव्य से नैतिक मूल्यों का विकास।
6	क्रेडिट मान	**06**
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): **L-T-P: - 03**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	वाल्मीकि रामायण- बालकाण्ड-प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण) पठितांश से व्याख्या तथा वाल्मीकि रामायण के सामान्य परिचय पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न ।	**15**
II	महाभारत- शान्ति पर्व अध्याय-192, पठितांश से व्याख्या तथा महाभारत के सामान्य परिचय संबंधी समीक्षात्मक प्रश्न ।	**15**
III	रघुवंशम्- प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण)-पठितांश से व्याख्या तथा रघुवंश महाकाव्य के सामान्य परिचय से संबंधित समालोचनात्मक प्रश्न ।	**15**
IV	स्वप्नवासवदत्तम्- प्रथम से तृतीय अंक- पठितांश से व्याख्या तथा सम्पूर्ण नाटक पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न ।	**15**

Prof. K.B. Pandey
29.5.21

V	हितोपदेश- (अ) मित्रलाभ- पठितांश पर आधारित उपदेशात्मक प्रश्न । (ब) नीतिशतकम्- (1 से 50 पद्य) अनुवाद/प्रश्न	**30**

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग: आर्षकाव्य, महाकाव्य, रूपक, जीवन मूल्य

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

पाठ्य पुस्तक- त्रयी - म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

1. दवे डा. समीक्षा- "वाल्मीकि रामायण" बाल काण्ड, महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा
2. "महाभारत-शान्तिपर्व", सम्पादक- गीता प्रेस गोरखपुर, उत्तरप्रदेश
3. त्रिपाठी डा. कृष्ण मणि- "रघुवंशम्"- प्रथम सर्ग, चौखंभा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2012
4. शर्मा रेग्मी पंडित शेषराज- "रघुवंशम्"- प्रथम सर्ग, चौखंभा, संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2009
5. झा डा. तारिणीश- "स्वप्नवासवदत्तम्", रामनारायण बैनीमाधव इलाहाबाद 1973
6. चतुर्वेदी वासुदेव कृष्ण- "स्वप्नवासवदत्तम्", महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा
7. नारायण पंडित- "हितोपदेश मित्रलाभ", धर्म नीराजना प्रकाशन दिल्ली 2004
8. उपाध्याय आचार्य बलदेव, "संस्कृत सुकवि समीक्षा", शारदा प्रकाशन, वाराणसी।
9. त्रिपाठी डा. राधावल्लभ- "संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास", वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी 2001
10. उपाध्याय आचार्य बलदेव- "संस्कृत साहित्य का इतिहास", शारदा निकेतन, वाराणसी 1970
11. मुसलगांवकर राजेश्वर शास्त्री- "नीतिशतकम्" चैखम्भा संस्कृत भवन, वाराणसी 2014
12. मिश्र आचार्य रामचन्द्र- "संस्कृत साहित्य का इतिहास", चौखंभा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
13. झा तारणीश- "रघुवंशम् प्रथम सर्ग", प्रकाशन केन्द्र लखनऊ

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक- ई-सोर्सेस, ईपीजी पाठशाला संस्कृत, ई-पुस्तकालय संस्कृत, विकीपीडिया, ज्ञानगंगा, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर, swayam.gov.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:- शास्त्री

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत केन्द्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरूपति, IGNOU BAG (Sanskrit) Study Material, B.A. Sanskrit Kota Vishwavidyalaya, Kota

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां: लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्याङ्कन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

आंतरिक मूल्यांकन: सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 10 कुल अंक :**25**
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा: समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक **50** शब्द) अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक **200**शब्द) अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक **500** शब्द)	03 x 03 = 09 04 x 09 = 36 02 x 15 = 30 कुल अंक **75**

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Prof. K.B. Pandey
Chairman, BOS. Sanskrit
B.U. Bhopal
29.5.21